राज्यपाल सचिवालय,

लोकभवन, राजस्थान

राज्यपाल ने किया विद्याभारती क्षेत्रीय प्रबंध समिति कार्यकर्ता सम्मेलन का उद्घाटन

विद्या भारती दूरस्थ स्थानों, वंचितो को शिक्षा प्रदान करने में निभा रहा महती भूमिका

विद्याभारती संगठन नहीं संस्कार निर्माण से जुड़ी शिक्षण संस्कृति है—राज्यपाल

जयपुर, 7 दिसंबर। राज्यपाल श्री हरिभाऊ बागडे ने कहा कि विद्याभारती संगठन नहीं भारत में संस्कार निर्माण से जुड़ी शिक्षण संस्कृति है। उन्होंने कहा यह शिक्षा प्रदान करने से जुड़ा राष्ट्र का सबसे बड़ा गैर सरकारी संस्थान ही नहीं है बल्कि यह विद्यार्थियों के चरित्र को गढ़ने वाला राष्ट्रीय अभियान है।

श्री बागडे रविवार को विद्याभारती क्षेत्रीय प्रबंध समिति कार्यकर्ता सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने विद्याभारती संगठन के इतिहास की चर्चा करते हुए कहा कि गोरखपुर में नानाजी देशमुख की प्रेरणा से भारतीय मूल्यों और संस्कृति पर आधारित युवा पीढ़ी को राष्ट्र निर्माण के लिए तैयार करने की सोच से पहला सरस्वती शिशु मंदिर स्थापित हुआ। बाद में अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान के रूप में विद्याभारती संस्थान के तहत देशभर में विद्यालयों की स्थापना हुई।

उन्होंने कहा कि पारंपरिक भारतीय ज्ञान प्रणाली को आधुनिक शिक्षा से जोड़कर राष्ट्र को नई दिशा प्रदान करने में आज विद्याभारती महती भूमिका निभा रहा है। यह संगठन रटंत-आधारित शिक्षा को समाप्त कर नवाचार-केंद्रित शिक्षा के प्रसार में जो भूमिका निभा रहा है, वह अतुलनीय है। उन्होंने नई शिक्षा नीति के आलोक में विद्या भारती विद्यालयों की प्रासंगिकता बताते हुए कहा कि उच्च शिक्षा के अंतर्गत छात्रों को अनुभव और अनुकरण के माध्यम से सीखने को प्रोत्साहित किया जाए। उन्होंने कहा कि विद्या भारती प्राचीन भारतीय ज्ञान परंपराओं को एकीकृत करते हुए मूल्य-आधारित शिक्षा, पर्यावरण संरक्षण और राष्ट्रीय जागरूकता के लिए जो कार्य करता आ रहा है, उसका प्रभावी प्रसार भी दूसरे क्षेत्रों में हो।

राज्यपाल ने दूरस्थ क्षेत्रों तक पहुंचकर विद्या भारती द्वारा ग्रामीण, वनवासी, पर्वतीय और झुग्गी-झोपड़ी क्षेत्रों में शिशु वाटिकाओं से उच्च शिक्षा तक की सुविधा प्रदान करने में निभाई जा रही भूमिका को महत्वपूर्ण बताया।

इससे पहले राज्यपाल ने विद्याभारती के क्षेत्रीय प्रबंध समिति कार्यकर्ता सम्मेलन का उद्घाटन किया। उन्होंने धरती आबा बिरसा मुंडा को याद करते उन्हें नमन किया।

राज्यपाल ने सशस्त्र सेना झंडा दिवस की बधाई दी

सैनिकों और उनके परिजनों के सहयोग हेतु मुक्त हस्त से सहयोग का किया आह्वान

कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने लोक भवन पहुंचकर राज्यपाल की जैकेट पर झंडा (बैज) लगाया

जयपुर, 7 दिसंबर। राज्यपाल श्री हरिभाऊ बागडे ने सशस्त्र सेना झंडा दिवस की बधाई दी है। सशस्त्र सेना झंडा दिवस पर रविवार को सैनिक कल्याण मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड ने लोक भवन पहुंचकर राज्यपाल की जैकेट पर प्रतीकात्मक रूप में झंडा (बैज) लगाया। राज्यपाल ने इस मौके पर अपनी ओर से सैनिकों के कल्याण हेतु स्थापित फंड में अपनी ओर से आर्थिक राशि का सहयोग भी किया।

राज्यपाल ने सशस्त्र सेना झंडा दिवस पर देश के जांबाज सैनिकों का स्मरण करते हुए उनकी शहादत को नमन किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्र उन बहादुर सैनिकों के प्रति कृतज्ञ हैं, जो अपने अदम्य साहस के साथ देश की सीमाओं पर तैनात हमारी रक्षा करते हैं।

राज्यपाल ने सशस्त्र सेना झंडा दिवस पर सैनिकों के कल्याण के लिए स्थापित फंड में सभी को मुक्त हस्त से सहयोग करने की भी अपील की। उन्होंने कहा कि राष्ट्र के लिए अहर्निश समर्पित सैनिकों और उनके परिजनों का कल्याण हमारी प्राथमिकता होना चाहिए। उन्होंने कहा कि सैनिकों के राष्ट्र के प्रति योगदान, उनकी प्रतिबद्धता, कर्तव्यपरायणता से हर भारतीय को प्रेरणा लेने की जरूरत है। इस अवसर पर सैनिक कल्याण विभाग के निदेशक ब्रिगेडियर वीरेन्द्र सिंह राठौड़ भी मौजूद रहे।

'भारत दर्शन अभियान' के तहत कश्मीर से राजस्थान आए विद्यार्थी

राज्यपाल श्री बागडे से कश्मीर के 25 विद्यार्थियों ने की मुलाकात

जयपुर, 7 दिसम्बर। राज्यपाल श्री हरिभाऊ बागडे से लोक भवन में रविवार को 'भारत दर्शन अभियान' के तहत कश्मीर के 25 विद्यार्थियों ने मुलाकात की।

राज्यपाल ने इस दौरान भारत भ्रमण से जुड़े इन विद्यार्थियों के अनुभव सुने। उन्होंने कहा कि भारत दर्शन 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' की संकल्पना से साक्षात होना है। उन्होंने कश्मीर से कन्याकुमारी तक विविधता में एकता की भारत–भूमि की चर्चा करते हुए विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

सा विद्या या विमुक्तये
विद्या भारती
ॐ
विद्या भारती राजस्थान
क्षेत्रीय प्रबंध समिति कार्यकर्ता सम्मेलन
तृतीया, वि.सं. २०८२